Need to revive Ashok Paper Mill in Darbhanga - laid

श्री प्रिंस राज (समस्तीपुर): हमारे संसदीय क्षेत्र समस्तीपुर (बिहार) के अंतर्गत दरभंगा जिले के हायाघाट विधानसभा के रामेश्वरनगर में स्थित लगभग 400 एकड़ प्रमुख भूमि में फैले हुए अशोक पेपर मिल की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। इसकी स्थापना दरभंगा राज द्वारा 1958 में की गई थी और यह उत्तर बिहार का एकमात्र प्रमुख औद्योगिक उद्यम था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 1982 में वित्तीय स्थिति बिगड़ने के कारण इसे बंद कर दिया गया था । 1996 में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद केंद्र ने इस मिल को पुनर्जीवित करने के लिए इसका निजीकरण कर दिया था । स्थानीय लोगों के अनुसार यह मिल 2003 से व्यावसायिक उत्पादन नहीं कर रही है एवं वर्तमान में यह बंद पड़ी हुई है। इस क्षेत्र के हजारों परिवारों को अपनी आजीविका के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मैं सरकार से विनती करता हूँ कि केंद्र सरकार अशोक पेपर मिल, दरभंगा को पुनर्जीवित करने पर पुनः विचार करे अन्यथा इस मिल की भूमि पर नया उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव लाए ताकि स्थानीय लोगों रोजगार का अवसर मिल सके एवं उनका सर्वांगीण विकास हो पाए ।